vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 14 vad % 24 y[kuÅ] xq:okj 28 flrEcj 2023 ls 06 vDrwcj 2023 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मिलेगी इलेक्ट्रिक वाहनों की सुविधा : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि पर्यटन की संभावनाओं के साथ 'ग्रीन इन्वेस्टमेंट' (हरित निवेश) को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की योजना प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन (ई–बस व ई रिक्शा) सेवा उपलब्ध कराने की है। पर्यटन स्थलों पर डीजल–पेट्रोल से चलने वाले वाहनों का संचालन न हो, इसके लिए निजी अ परेटर को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री बुधवार को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन, उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आधारित ए टू जेड पुस्तिका का विमोचन, युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को किट वितरण एवं उत्तर प्रदेश के अग्रणी पर्यटन उद्यमियों का सम्मान करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस की विषय 'टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट' है। उन्होंने कहा कि प्रमुख पर्यटन स्थलों पर इलेक्ट्रिक वाहन की सुविधा से लोगों को एक बहुत अच्छा वातावरण मिलेगा। ''पर्यटन स्थलों को हम

इस ढंग से विकसित करें कि वहां पर जनरेटर भी न चलें, सोलर लाइट की व्यवस्था करें। कोई ऐसी व्यवस्था करें जो हरित ऊर्जा के माध्यम से उसे क्षेत्र के विद्युतीकरण की व्यवस्था को पूरा कर सकती हो।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश में ३० करोड़ पर्यटक धार्मिक दृष्टि के अलग–अलग पवित्र धामों का दर्शन करने आए। यह ३० करोड़ केवल संख्या नहीं है बल्कि इसके पीछे पूरा एक पारिस्थितिकी तंत्र छिपा हुआ है। इनसे वाहन संचालन से जुड़े लोगों, फूल, प्रसाद बेचने वालों, होटल, धर्मशाला और रेस्तरां कारोबार से जुड़े, और अन्य भी तमाम लोगों को रोजगार मिला होगा, उनकी आजीविका समृद्ध हुई होगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ सावन के माह में अकेले काशी विश्वनाथ धाम में लगभग दो करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। जबकि पहले इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं आते थे। अब काशी विश्वनाथ धाम, भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, मथुरा–वृंदावन, मां विंध्यवासिनी धाम में सुविधाएं बढ़ीं, दर्शन में आसानी हुई तो बड़ी संख्या में लोग वहां जा रहे हैं। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर से विद्यालयों के युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों, नेहरू युवा केंद्र के स्वयसेवकों एंव मीडिया के प्रतिनिधियों की बसों को हरी झंडी दिखाकर कुशीनगर स्थित गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल के भ्रमण के लिये रवाना किया।

एक साथ चुनाव पर रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए कोई समयसीमा नहीं : विधि आयोग के अध्यक्ष

नई। दिल्ली। विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ऋतु राज अवस्थी ने बुधवार को कहा कि एक साथ चुनाव के मुद्दे पर काम अब भी जारी है और इस संबंध में रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अ नलाइन प्राथमिकी सबंधी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अवस्थी ने यहां संवाददाताओं से कहा, "एक साथ चुनावों पर अब भी कुछ काम चल रहा है। हमने रिपोर्ट को अंतिम रूप नहीं दिया है। इसे अंतिम रूप देने के लिए कोई समयसीमा नहीं है।" प्रक्रिया के अनुसार, विधि आयोग की सभी रिपोर्ट केंद्रीय कानून मंत्रालय को सौंपी जाती है, जो उन्हें संबंधित मंत्रालयों को भेज देता है। एक साथ चुनाव का मुद्दा वर्षों से विधि आयोग के पास लंबित है। पिछले विधि आयोग ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए तीन विकल्प सुझाए थे, लेकिन कहा था कि कई बिंदुओं पर विचार किया जाना बाकी है। उसने अपनी मसौदा रिपोर्ट के साथ जारी एक सार्वजनिक अपील में कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने में कई बाधाओं को दूर किया गया है लेकिन कुछ बिंदुओं पर "अब भी विचार बाकी है"। उसने सभी हितधारकों से यह सुझाव देने के लिए कहा था कि क्या एक साथ चुनाव कराने से किसी भी तरह से

लोकतंत्र, संविधान की मूल संरचना या देश की संघीय राजनीति के साथ छेड़छाड़ होगी। इसमें कहा गया था कि जब संसद या विधानसभा में किसी भी एक दल को बहुमत नहीं है और ऐसी स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न समितियों और आयोगों ने सुझाव दिए हैं। इन समितियों ने प्रस्ताव दिया है कि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की नियुक्ति या चयन उसी तरीके से किया जा सकता है जिस तरह से सदन के अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है। अब मौजूदा विधि आयोग ने इस विषय पर आगे काम करना शुरू कर दिया है। पॉक्सो अधिनियम पर विधि आयोग की रिपोर्ट सहमति की उम्र के मुद्दे से संबंधित है। हर तीन साल में गठित होने वाला विधि आयोग जटिल कानूनी मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है।

भारतीय नौसेना नया स्वदेशीकरण रोडमैप पेश करेगी, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का होगा प्रदर्शन

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना अगले सप्ताह एक अद्यतन स्वदेशीकरण रोडमैप का अनावरण करेगी और दो दिवसीय विशाल संगोष्ठी में पानी के भीतर ड्रोन, अग्निशमन प्रणाली और रोबोटिक्स से संबंधित घरेलू प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी

दी। इसके अलावा इस संगोष्ठी में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्म में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट पहलों की रूपरेखा बताई जाएगी। यह रोडमैप चार और पांच अक्टूबर को आयोजित होने वाले वार्षिक स्वावलंबन सेमिनार के दूसरे संस्करण में जारी किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि पानी के अंदर काम करने वाले ड्रोन, हथियारबंद नौकाएं और अग्निशमन प्रणालियों सहित विभिन्न सैन्य हार्डवेयर में उपयोग की जाने वाली पचहत्तर प्रौद्योगिकियों को सेमिनार में प्रदर्शित किया जाएगा। नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नौसेना ने पिछले साल स्वावलंबन सेमिनार में ७५ प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का संकल्प लिया था और लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा, " पिछले साल, प्रधानमंत्री की मौजूदगी में, भारतीय नौसेना ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में कम से कम ७५ प्रौद्योगिकियां विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई थी। पिछले साल किए गए वादे पूरे किए गए हैं।'' नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख ने कहा कि नौसेना ने इस प्रतिबद्धता को साकार करने की दिशा में काफी समय और प्रयास किए हैं। वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने कहा,'' आज, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि स्वावलंबन पहल ने व्यापक जनसमूह हासिल कर लिया है और यह निरंतर गति पकड़ रही है। और, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले साल किए गए सभी वादे संपूर्ण रूप से पूरे किए गए हैं, और कुछ मामलों में तो उनसे भी आगे निकल गए हैं। '' ब्यौरा दिए बिना वाइस एडमिरल सिंह ने कहा कि दो दिवसीय सेमिनार में कई नीतिगत फैसले और नई घोषणाएं सामने आएंगी। भारतीय नौसेना के उप प्रमुख ने कहा, ''भारतीय नौसेना आत्मनिर्भरता पहल में सबसे आगे है। यह हमारे लिए मुख्य सिद्धांत है।'' स्वदेशीकरण के मोर्चे पर विभिन्न पहलों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने कहा कि नौसेना के पास अब अनुमोदित उत्पादों की एक श्रृंखला है और ऐसी कई परियोजनाएं जल्द ही पूरी हो जाएंगी।

सिद्धार्थनगर और बलरामपुर समेत ७ जिलों के सीएमओ बदले

लखनऊ। यूपी के सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बरेली, बलिया, बांदा, अंबेडकरनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बदल गये हैं। प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के १२ चिकित्साधिकारियों का स्थानान्तरण हुआ है। जिन चिकित्सकों का तबादला हुआ है वह सभी संयुक्त निदेशक ग्रेड के हैं। शासन की ओर से जारी आदेश में ड विश्राम सिंह को बरेली का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। वहीं ड. राज कुमार को सीएमओ अम्बेडकरनगर की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले डॉ. राज कुमार हरदोई में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के रूप में तैनात थे। डॉक्टर नरेंद्र कुमार बाजपेई को सिद्धार्थनगर का सीएमओ बनाया गया है। डॉ. नरेंद्र बाजपेई कानपुर देहात स्थित जिला चिकित्सालय में बतौर वरिष्ठ परामर्शदाता अपनी सेवायें दे रहे थे। डॉ मुकेश कुमार को बलरामपुर जिले का सीएमओ नियुक्त किया गया है। डॉ रामानुज कनौजिया को सीएमओ संतकबीरनगर बनाया गया। डॉ रमाशंकर दुबे को बस्ती जिले के नये सीएमओ होंगे। वहीं डॉ विजयपति द्विवेदी बलिया जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी बने हैं। इसके अलावा मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती रहे डॉ. रुद्र प्रसाद मिश्रा को प्रयागराज में बतौर वरिष्ठ परामर्शदाता तैनात किया गया है।

सम्पादकीय

चीन का बढ़ता वर्चस्व हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती

चीन का बढ़ता वर्चस्व हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। इससे इस क्षेत्र में सैन्य खर्च बढ़ गया है। दिल्ली में आयोजित हिंद–प्रशांत वैश्विक सेना प्रमुख सम्मेलन (आईपीएसीसी) में मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह क्षेत्र सीमा विवाद और समुद्री डकैती जैसी जटिल सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिका के सेना प्रमुख जनरल रैंडी ज जॉर्ज ने कहा–दुनिया में युद्ध का तरीका बदल रहा है। सम्मेलन में शामिल देशों के बीच सैन्य समेत हर स्तर पर सहयोग मजबूत करना होगा। गौरतलब है कि सम्मेलन का मकसद आपसी समझ, संवाद और मित्रता के माध्यम से हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है। आयोजन भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाएं मिलकर कर रही हैं। इसमें २२ देशों के सेना प्रमुख भाग ले रहे हैं। वास्तव में चीन हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत के हितों और स्थिरता के लिए चुनौती रहा है। भारत–प्रशांत क्षेत्र दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसमें एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका महाद्वीप शामिल हैं। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में विश्व भू क्षेत्र का ४४ प्रतिशत हिस्सा है। इसमें विश्व जनसंख्या का ६५ प्रतिशत हिस्सा, विश्व जीडीपी का ६२ प्रतिशत भाग है और यह विश्व के ४६ प्रतिशत व्यापारिक माल के व्यापार में योगदान देता है। माना जाता है कि दक्षिण चीन सागर, प्रशांत महासागर के रास्ते लगभग ३.५ ट्रिलियन डॉलर का व्यापार होता है। सबसे महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं और भारत के व्यापारिक साझेदार अमेरिका, चीन, कोरिया और जापान का समग्र व्यापार दक्षिण चीन सागर प्रशांत क्षेत्र से होता है। भारत के व्यापार का लगभग ५० प्रतिशत हिस्सा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित है। हिंद महासागर में भारत का ६० प्रतिशत कारोबार होता है और इसका ६० प्रतिशत ऊर्जा स्रोत है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक बड़ा स्रोत और गंतव्य है। उधर चीन इस क्षेत्र को एशिया–प्रशांत क्षेत्र मानता है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र के विचार को मान्यता नहीं प्रदान करता है। दक्षिण चीन सागर में अपने हितों को आक्रामक रूप से साधते हुए चीन हिंद महासागर क्षेत्र को अपनी बेल्ट और रोड पहल में एक महत्वपूर्ण संघटक के रूप में देखता है। हिंद–प्रशांत के लिए भारत का दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर जोर देता है। हिंद–प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ वहां के लोगों के बीच संपर्क में बढ़ोतरी और अपनी उदार शक्ति का प्रदर्शन करके भारत ने बेहतर कार्य किया है। इन मुद्दों को अधिक ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ उठाने की आवश्यकता है ताकि भारत संवृद्धि और विकास में समर्थ हो सके और इसकी अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सके।

गड्ढामुक्त अभियान : कॉल या लोकेशन से बताएं खराब सड़क, कलेक्ट्रेट में बना कंट्रोल रूम

लखनऊ। जिले में खराब सड़कों की जानकारी कॉल या फिर व्हाट्सएप पर लोकेशन भेज दी जा सकती है, जो गड्ढामुक्त अभियान के तहत सुधारी जाएंगी। जानकारी देने के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिसका मंगलवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने निरीक्षण कर स्थिति जानी। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में बने कंट्रोल रूम का जायजा किया। जहां नगर निगम, एनएचएआई, पीडब्लूडी समेत अन्य विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित मिले। वहां प्राप्त हो रही शिकायतों व निस्तारण की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि वृहदस्तर पर गड्ढामुक्त अभियान चलाया जा रहा है। सभी एजेंसी, नगर निगम, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी व जिला पंचायत ने सर्वे कर लिया है। कौन सी सड़कों की मरम्मत की जानी है, कहां पर गड्ढे हैं, क्या कार्य योजना यह सभी तैयार कर लिया है। क्षतिग्रस्त सड़कों की जानकारी के लिए कंट्रोल रूम के साथ व्हाट्सएप नंबर जारी किया है की जिसमें

कोई भी फोटो के साथ लोकेशन भेज सकता है। जो संबंधित विभाग को स्थानांतरित कर कार्रवाई की जाएगी। इस तरह की सभी रजिस्टर में दर्ज की जा रही हैं। अब तक १६४ शिकायतें आई हैं। जिसमें कुछ शिकायतें नगर निगम, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी की है। जिनका शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी के पास आईं ५० फीसद शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। कंट्रोल रूम के नंबर– व्हाट्सएप..६४५४४१६५०० –दूरभाष : ०५२२–२६११११७, १८, १६

इस्कॉन पर आरोप किसी बड़े षड्यंत्र का संकेत.. अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के बयान को लेकर भाजपा पर निशान साधा है। दरसअल इस्कॉन को लेकर मेनका गांधी ने बड़ा आरोप लगाया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। अखिलेश यादव ने एक्स (ट्वीट) कर कहा, ''भाजपाइयों ने पहले भूमाफियों से मिलकर राधास्वामी सत्संग को निशाना बनाया और भाजपा के लोग अब गोपालक भगवान कृष्ण के उपासकों पर ही कसाइयों को गाय बेचने का वीभत्स आरोप लगा रहे हैं।'' इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कहा, ''विश्वभर के इस्कॉन के अनुयायी इस आरोप से व्यथित और दुखी हैं। भाजपा सरकार को स्पष्टीकरण देना ही होगा क्योंकि इसका संबंध सिर्फ प्रदेश व देश से ही नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय छवि से भी है क्योंकि कृष्ण चेतना को समर्पित इस्कॉन का विस्तार सम्पूर्ण विश्व में है''। भाजपाइयों

ने पहले भूमाफियों से मिलकर राधास्वामी सत्संग को निशाना बनाया और भाजपा के लोग अब गोपालक भगवान कृष्ण के उपासकों पर ही कसाइयों को गाय बेचने का वीभत्स आरोप लगा रहे हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कहा, ''विश्वभर के इस्कॉन के अनुयायी इस आरोप से व्यथित और दुखी हैं। भाजपा सरकार को स्पष्टीकरण देना ही होगा क्योंकि इसका संबंध सिर्फ प्रदेश व देश से ही नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय छवि से भी है क्योंकि कृष्ण चेतना को समर्पित इस्कॉन का विस्तार सम्पूर्ण विश्व में हैश्र। उन्होंने कहा कि जनता का सवाल ये है कि भाजपा के लोग किस वजह से समाज में ऐसा वैमनस्य फैलाना चाहते हैं और किसके कहने पर? इस्कॉन पर आरोप किसी बड़े षड्यंत्र का संकेत है। बता दें कि भाजपा सांसद मेनका गांधी ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इस्कॉन देश में 'सबसे बड़ा धोखा' है क्योंकि वह अपनी गौशालाओं से गायों को कसाइयों के हाथ बेचता है। बीजेपी सांसद द्वारा लगाए गए आरोप को इस्कॉन ने 'निरर्थक और झूठा' बताया है।

सरकार को जगाने हजारों की संख्या में जुटे श्रमिक और कर्मचारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार की कार्यशैली को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

यह आक्रोश आज राजधानी स्थित इको गार्डन की जमीन पर देखने को मिल रहा है। जहां पर हजारों की संख्या में पहुंचे असंगठित व संगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों व कर्मचारियों ने हुंकार भरी है। बताया जा रहा है कि श्रमिक और कर्मचारियों ने यह रैली सरकार को जगाने के लिए निकालने का फैसला लिया है। दरअसल, असंगठित, संगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों व कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति उदासीन सरकार को जगाने के लिए भारतीय मजदूर संघ ने आज यानी २७ सितंबर को लखनऊ के ईको गार्डेन में 'जागो सरकार–मजदूर आपके द्वार' के नारे के साथ एक बड़ी रैली करने का फैसला किया था। जिसके तहत यहां पर लोग इक्कठा हुये हैं। इस रैली में शामिल होने के लिए आशा, आंगनबाड़ी, एनएचएम, आयुष्मान भारत योजना,जलकल विभाग, शुगर फैक्ट्री, डिसलेरी ,रोडवेज, विद्युत, बैंक, बीमा, रेल, कृषि मजदूर, स्वायतशासी, सार्वजनिक क्षेत्र, प्रतिरक्षा, पोस्टल, बीएसएनएल समेत विभिन्न विभागों के नियमित, संविदा व आउटसोर्सिंग के हजारो कर्मचारी पहुंचे हैं। यह जानकारी एनएचएम प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय ने दी है।

अवधि पूर्ण कर चुकीं सीएनजी बसें निष्प्रयोज्य घोषित कर नीलाम की जाएंगी, कम होंगे एमएसटी के दाम

लखनऊ। अवधि पूर्ण कर चुकीं सीएनजी बसें निष्प्रयोज्य घोषित कर नीलाम की जाएंगी। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए मासिक पास कम किराये पर बनाए जाएंगे। लखनऊ सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की बैठक में अध्यक्ष व मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया है।

मंगलवार को आयुक्त कार्यालय पर लखनऊ सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की बैठक हुई। जिसमें कई मुख्य प्रस्ताव रखे गए। जिस पर मंडलायुक्त ने विचार–विमर्श किया। जिसमें ऐसी सीएनजी बसें जिनकी आयु पूर्ण हो चुकी है लेकिन निर्धारित किमी पूर्ण नहीं हुए हैं और बसें संचालन योग्य नहीं हैं निष्प्रयोज्य घोषित कर नीलाम करने का निर्णय लिया गया। वहीं, यात्रियों की सुविधा के लिए कम किराये पर मासिक पास योजना प्रभावी की जाएगी। संविदा चालकों व परिचालकों को दो वर्ष के अन्तराल में वर्दी का कपड़ा खरीदने व सिलाई के लिए १८०० रुपये भुगतान किए जाएंगे। मोटर दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को पूर्व निर्धारित राशि पांच लाख से बढ़ाकर १० लाख रुपये किए गए। यह भी तय हुआ कि लखनऊ सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज के संविदा चालकों व परिचालकों द्वारा वित्तीय वर्ष में किसी भी तरह की दुर्घटना न होना, निर्धारित किमी व दिवस पर ड्यूटी करने पर सेवा से वंचित नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कानून व्यवस्था को लेकर की समीक्षा बैठक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को को वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। यह बैठक लगभग ३:१५ घंटे चली। बैठक में पुलिस महकमे के सारे अधिकारी मौजूद थे। यह पहली बार था जब सीएम योगी सभी आईजी, एडीजी, जिला कप्तान के साथ–साथ थानेदारों से भी मुखातिब हो रहे थे। इस बैठक में महिला संबंधी अपराध, अपराध नियंत्रण और अपराधियों पर कार्रवाई का मुद्दा सबसे अहम रहा। इस दौरान सीएम योगी ने महिला संबंधी अपराध में कार्रवाई करने में फिसड्डी रहे जिलों के कप्तान को जमकर फटकार लगाई गई। पूरी बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा अंबेडकर नगर में छात्रा का दुपट्टा खींचे जाने की घटना थी, जिस पर एसपी अंबेडकर नगर को मुख्यमंत्री ने जमकर फटकार लगाई। अंबेडकर नगर के साथ–साथ हाल की आपराधिक घटनाओं पर भी मुख्यमंत्री ने

कड़े तेवर दिखाये और एक दर्जन से अधिक जिलों के कप्तान और दो पुलिस कमिश्नर को भी डांट लगाई गई। सीएम योगी अंबेडकर नगर के साथ–साथ हाथरस, चंदौली, ललितपुर, कासगंज, बलरामपुर, महोबा, महाराजगंज, अयोध्या, चित्रकूट, झांसी और सुल्तानपुर के पुलिस कप्तानों से हाल में हुई घटनाओं में लापरवाही और देरी पर असंतुष्ट दिखे। इस दौरान सीएम योगी ने अफसरों को फटकार लगाते हुए कहा किसी भी घटना में लापरवाही या गड़बड़ी की पुष्टि हुई तो जिले का कप्तान हो या फिर थानेदार उसको न सिर्फ थानेदारी और कप्तानी से हटाया जाएगा बल्कि जबरन रिटायर भी कर दिया जाएगा। लखनऊ स्टेट मुख्यालय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वीडियो कन्फ्रेंसिंग से पहली बार जिलों के थानेदार से लेकर एसपी आईजी और एडीजी जोन को एक साथ जोड़कर साफ संदेश दिया है कि लापरवाही बरतने पर कुर्सी तो जाएगी ही, नौकरी से भी हाथ धोना पड़ेगा। ऐसे पुलिसकर्मी और अधिकारियों को जबरन रिटायरमेंट देकर बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

काकोरी ब्लॉक में विधायक ने बच्चों का कराया अन्नप्राशन, श्री अन्न के प्रयोग को बताया जरूरी

लखनऊ। राजधानी के काकोरी ब्लॉक में बुधवार को ६ माह के बच्चों के लिए अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

जिसमें बच्चों का अन्नप्राशन विधायक जयदेवी और ब्लॉक प्रमुख नीतू यादव ने अपने हाथो से कराया। इस दौरान विधायक जयदेवी ने ब्लक में मौजूद महिलाओं और उनके परिवार के लोगों से भोजन में श्री अन्न का प्रयोग शुरू करने की बात कही। इतना ही नहीं उन्होंने लोगों से स्थानीय उत्पाद का इस्तेमाल करने की भी अपील की। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों के लिए 'श्री अन्न'शब्द का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश मोटे अनाजों यानि कि मिलेट्स का हब है। श्री अन्न में ज्वार, बाजरा,सांवा, कोदो आदि शामिल है। जो कि पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। भोजन में श्री अन्न का उपयोग करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी अमित परिहार ,बाल विकास परियोजना अधिकारी पारुल शुक्ला ,मुख्य सेविका प्रेमवती, ममता श्रीवास्तव, मीनू सिंह, ममता पाल सुनीता बाजपेयी, वन्दना अवस्थी, पूनम सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे।

एंटी भू–माफिया अभियान : अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

लखनऊ। जिले में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ एंटी भू–माफिया अभियान तेज हो गया है। पुलिस–प्रशासन ने सभी तहसील क्षेत्रों में किया गया अतिक्रमण बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। अभियान के तहत ६.७१ करोड़ रुपये से अधिक की भूमि कब्जामुक्त कराई गई। बुधवार को भी जिले में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया गया। मोहनलालगंज तहसील के ग्राम अहमदपुर आजमअली में .१२६ हेक्टेयर, मलिहाबाद के ग्राम रानीपारा व देवरी भारत में १.५१२ हेक्टेयर, बीकेटी के ग्राम परसाहिया में .५३७ हेक्टेयर, सदर के बड़ागांव में १.०१२० हेक्टेयर, सरोजनी नगर के ग्राम हरौनी में १.२३४ हेक्टेयर भूमि पर किया अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने बताया कि अभियान में एसडीएम मोहन लालगंज, मलिहाबाद, बीकेटी, सरोजनी नगर, सदर व राजस्व विभाग टीम के साथ पुलिस बल ने कार्रवाई की है। इस दौरान कुल ४.४२१ हेक्टेयर भूमि जिसकी कीमत ६ करोड़ ७१ लाख २० हजार रुपये कब्जामुक्त कराई गई। बड़ी कार्रवाई सरोजनी नगर के ग्राम हरौनी में की गई। जहां १.२३४ हेक्टेयर भूमि कब्जामुक्त कराई, जिसका बाजार मूल्य ४ करोड़ ६० लाख है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मध्य प्रदेश चुनाव में प्रचार करेंगे यूपी बीजेपी के नेता

लखनऊ। मध्य प्रदेश चुनाव में प्रदेश के भाजपा नेताओं की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें प्रदेश के १२ मंत्रियों के साथ ही पार्टी सांसदों व विधायकों को जिम्मेदारी दी गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भोपाल, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सतना, दयाशंकर सिंह बालाघाट, बेबीरानी मौर्य ग्वालियर, दिनेश प्रताप सिंह रायसेन, दया शंकर मिश्र दयालु दतिया, कपिल देव अग्रवाल दमोह, अनिल राजभर सिवनी, जेपीएस राठौर भोपाल संभाग व विधायक पंकज सिंह को विदिशा की जिम्मेदारी दी गई है।

एसजीपीजीआई में फिजियोथेरेपिस्ट की नियुक्ति में हुआ खेल

लखनऊ। राजधानी स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान प्रशासन पर गंभीर आरोप लग रहे है। यह आरोप एसजीपीजीआई में फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर हुई भर्ती को लेकर लग रहे हैं। बताया जा रहा कि एसजीपीजीआई में फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर सेवा नियमावली के विपरीत नियुक्ति हुई है। यह आरोप राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की तरफ से लगाया गया है। साथ ही परिषद ने परास्नातक अर्हता निर्धारित कर त्रुटिपूर्ण चयन किये गये अभ्यर्थियों का शासन के निर्णय के विपरीत वेरीफिकेशन कराने पर रोष भी व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने बताया कि एसजीपीजीआई में फिजियोथेरेपी पद पर नियुक्ति के लिए साल २०२१–२२ में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। जिसमे शैक्षिक अर्हता ३ वर्ष डिप्लोमा इन फिजियोथेरेपी मांगी गई थी। जिस पर परिषद द्वारा पुरजोर विरोध करते हुए शासन व एसजीपीजीआई प्रशासन को अवगत कराया था कि ३ वर्षीय डिप्लोमा फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम उत्तर प्रदेश में केवल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में ही संचालित हो रहा था । जबकि प्रदेश में स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा ४ वर्षीय डिग्री कोर्स और २ वर्षीय डिप्लोमाधडिग्री पाठ्यक्रम एसजीपीजीआई, केजीएमयू सहित कई अन्य संस्थानों में चलाया जा रहा है। ऐसे में ०४ वर्षीय डिग्री धारक और ०२ वर्षीय डिप्लोमा धारकों के साथ अन्याय होगा। जिसके बाद शासन द्वारा विज्ञापन को निरस्त करते हुये फिजियोथेरेपिस्ट सेवा नियमावली के अनुसार ०२ वर्षीय डिप्लोमाध०४ वर्षीय डिग्री धारकों की चयन प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया था, लेकिन आरोप है कि एसजीपीजीआई ने शासन के निर्देश की अनदेखी करते हुये दोबारा फिजियोथेरेपिस्ट संवर्ग का पद विज्ञापित किया गया है, जिसमें न्यूनतम शैक्षिक अर्हता मास्टर इन फिजियोथेरेपी मांगी गई, जबकि एसजीपीजीआई ने बोर्ड में पास करा रखा है कि जो शैक्षिक अहर्ता एम्स (AIIM) द्वारा निर्धारित की गई है वही एसजीपीजीआई भी लागू होगी। एम्स रायबरेली ने ०८ जुलाई २०२३ व एम्स भुवनेश्वर की तरफ से ०१ जुलाई २०२३ को फिजियोथेरेपिस्ट के पद का विज्ञापन निकाला गया है, जिसमें शैक्षिक अर्हता डिग्री मांगी

गई है। अपने ही निर्णय के विपरीत जाकर भेदभाव रवैये से डिग्रीध डिप्लोमा के छात्र उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित रह जाएंगे। अतुल मिश्रा ने बताया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार में समूह ग के पद की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता परास्नातक है ही नहीं। उल्लेखनीय है कि प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार द्वारा संशोधन के लिए एसजीपीजीआई के निदेशक को निर्देशित किया गया था, लेकिन एसजीपीजीआई प्रशासन द्वारा उसको नजरअंदाज करते हुये १५ जुलाई २०२३ को भर्ती संबंधी आनलाइन परीक्षा करा ली गई। इसके बाद १६ जुलाई २०२३ को मध्य रात्रि बिना पारदर्शिता किये परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। इससे प्रदेश के हजारों फिजियोथेरेपिस्ट में काफी आक्रोश व्याप्त है। दुखद है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री बेरोजगारों को रोजगार प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने की बात कहते हैं। वही पर एसजीपीजीआई प्रशासन द्वारा बेरोजगारों को रोजगार से वंचित रखा जा रहा है। परिषद की तरफ से कहा जा रहा है कि एसजीपीजीआई प्रशासन द्वारा शासन के निर्णयों को दरकिनार करते हुये १६ जुलाई २०२३ को घोषित परिणाम में चयन किये गये अभ्यर्थियों का वेरीफिकेशन कराया जा रहा है, जो कदापित उचित नहीं है। इस तरह की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। परिषद की तरफ से मंख्यमंत्री और मुख्य सचिव से अनुरोध किया है कि संस्थान की तरफ से कराये गये आनलाइन परीक्षा के परिणाम पर तत्काल रोक लगाने का कष्ट करे। जिससे यूपी में एक बड़ी वेतन विसंगति से बचा जा सके । साथ ही यह भी मांग की है कि नियमों के अनुसार एसजीपीजीआई में भर्ती होने चाहिए। जिससे बेरोजगारों के साथ अन्याय न हो। बता दें कि एसजीपीजीआई प्रशासन पर यह गंभीर आरोप उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर लगाये हैं। यह पहली बार नहीं हुआ है जब परिषद की तरफ से इस तरह के आरोप एसजीपीजीआई प्रशासन पर लगाये गये हों। कुछ महीने पहले भी फिजियोथेरेपी की नियुक्ति को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कई गंभीर आरोप लगाये गये थे। परिषद के आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा। वहीं परिषद के आरोपों की सच्चाई जानने के लिए एसजीपीजीआई प्रशासन के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो पाई।

मेरे नाम से कोई घर नहीं लेकिन मेरी सरकार ने लाखों बेटियों को मकान मालिक बनाया : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनके नाम पर कोई घर नहीं है, लेकिन उनकी सरकार ने देश की लाखों बेटियों को घर का मालिक बना दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी, अनुसूचित जाति और पिछड़े समुदायों की करोड़ों महिलाएं अब 'लखपति' बन गई हैं क्योंकि उनके पास सरकारी योजनाओं के तहत बने घर हैं। दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को गुजरात पहुंचे मोदी राज्य के आदिवासी बहुल छोटा उदयपुर जिले के बोडेली शहर में शिक्षा क्षेत्र से संबंधित ४,५०० करोड़ रुपये की परियोजनाओं सहित ५,००० करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत के मौके पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''चूंकि मैंने आपके साथ महत्वपूर्ण समय बिताया है, मैं गरीब लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को जानता हूं और मैंने हमेशा उन मुद्दों को हल करने की कोशिश की है। आज मैं संतुष्ट हूं क्योंकि मेरी सरकार ने देश भर में लोगों के लिए चार करोड़ घर बनाए हैं। पिछली सरकारों के विपरीत, गरीबों के लिए एक घर हमारे लिए सिर्फ एक संख्या नहीं है। हम गरीबों के लिए घर बनाकर उन्हें सम्मान प्रदान करने का काम करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम गरीब के लिए घर बनाकर उसे सम्मान प्रदान करने की दिशा में काम करते हैं। हम आदिवासियों की जरूरतों के अनुसार घरों का निर्माण कर रहे हैं, वह भी बिना किसी बिचौलिये की मौजूदगी के। लाखों घर बनाए गए और महिलाओं के नाम पर पंजीत किए गए। हालांकि मेरे नाम पर अभी तक घर नहीं है, लेकिन मेरी सरकार ने लाखों बेटियों को घर का मालिक बना दिया।'' उन्होंने कहा, आदिवासी, अनुसूचित जाति और पिछड़े समुदायों की करोड़ों महिलाएं अब 'लखपति दीदी' बन गई हैं क्योंकि उनके नाम पर पंजीकृत इन घरों की कीमत अब लगभग १.५ लाख रुपये से २ लाख रुपये है। मोदी ने यह भी कहा कि विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा गांधीनगर में गुजरात शिक्षा विभाग के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनसे देश भर में ऐसे केंद्र शुरू करने का आग्रह किया। इस

केंद्र को 'विद्या समीक्षा केंद्र' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा, ''विश्व बैंक के अध्यक्ष (अजय बंगा) ने हाल ही में (गांधीनगर में) विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा किया। बैठक के दौरान उन्होंने मुझसे भारत के सभी जिलों में ऐसे केंद्र शुरू करने का आग्रह किया और कहा कि विश्व बैंक इस परियोजना का हिस्सा बनने के लिए तैयार है।'' बोडेली में मोदी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं में गुजरात सरकार की 'मिशन अ फ स्कूल अ फ एक्सीलेंस' परियोजना के तहत शिक्षा क्षेत्र से संबंधित ४,५०० करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं, जिसका उद्देश्य राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन दशकों से अधर में लटकी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) आखिरकार उनकी सरकार लेकर आई। विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''वे राज्य में शिक्षा परि श्य को बेहतर बनाने के लिए काम करने के बजाय आरक्षण की राजनीति में लिप्त रहे।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि दो दशक पहले गुजरात में स्कूलों, क लेजों और कक्षाओं तथा शिक्षकों की उपलब्ध ाता की स्थिति क्या थी। शिक्षा क्षेत्र की दयनीय स्थिति के कारण कई लड़के और लड़कियों को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब मैं मुख्यमंत्री (२००१ में) बना तो गुजरात के पूरे आदिवासी क्षेत्र में विज्ञान पाठ्यक्रम वाला एक भी स्कूल नहीं था।'' राज्य में पिछली गैर–भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''मेडिकल और इंजीनियरिंग क लेजों में आरक्षण देने का क्या फायदा जब विज्ञान पाठ्यक्रम वाले स्कूल ही नहीं थे।'' उन्होंने कहा, ''आप (आरक्षण पर) राजनीति करते रहें लेकिन हमारे बच्चों का भविष्य खराब मत करें।'' उन्होंने कहा कि जो लोग लंबे समय तक विकास से वंचित थे, वे अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण आगे बढ़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि गुजरात में भाजपा सरकार ने अंबाजी से उमरगाम तक पूरे आदिवासी क्षेत्र में पांच मेडिकल क लेज, दो विश्वविद्यालय और २५,००० नयी कक्षाएं बनाई हैं।इस अवसर पर मोदी ने राज्य में शिक्षा क्षेत्र से संबंधित कई नई योजनाओं का भी शुरुआत की जिनेमें स्वामी विवेकानंद ज्ञान शक्ति आवासीय विद्यालय, रक्षा शक्ति विद्यालय, मुख्यमंत्री ज्ञान सेतु मेरिट छात्रवृत्ति और मुख्यमंत्री ज्ञान साधना मेरिट छात्रवृत्ति शामिल हैं।

युवती से बलात्कार के आरोप में युवक गिरफ्तार

बिजनौरं उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के शेरगढ़ क्षेत्र में एक लड़की से बलात्कार के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि शेरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में १६ वर्षीय एक लड़की सोमवार को स्कूल जा रही थी, तभी दीपक नामक एक युवक ने उसे गन्ने के खेत में घसीट लिया और उससे कथित रूप से बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में लड़की के परिवार के सदस्यों ने दीपक के खिलाफ बलात्कार के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री से इस्तीफा लें प्रधानमंत्री, सर्वदलीय बैठक बुलाकर समाधान निकालें : कांग्रेस

नई। दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर में दो छात्रों के शवों की तस्वीर वाला वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद राज्य में पैदा हुए हालात को लेकर बुधवार को केंद्र और प्रदेश सरकार पर कानून–व्यवस्था की स्थिति संभालने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का इस्तीफा लेना चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की स्थिति को चुनौती के रूप में स्वीकारें और सर्वदलीय बैठक बुलाकर प्रदेश में शांति बहाली का प्रयास करें। मणिपुर में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर मंगलवार को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के कुछ घंटे बाद मणिपुर सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाओं पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया। इम्फाल घाटी में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''१४७ दिनों से मणिपुर के लोग परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पास राज्य का दौरा करने का समय नहीं है। इस हिंसा में छात्रों को निशाना बनाए जाने की भयावह तस्वीरों ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।'' खरगे ने कहा, ''अब समय आ गया है, प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के भाजपा के अक्षम मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। उथल–पुथल की किसी भी संभावित घटना को

नियंत्रित करने के लिए यह पहला कदम होगा।'' लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने संवाददाताओं से कहा, ''दुख की इस घड़ी में हम मणिपुर के छात्रों, शिक्षकों और मणिपुर के हर नागरिक के साथ खड़े हैं। मणिपुर का दर्द आज पूरा देश महसूस कर रहा है। मणिपुर में राज्य सरकार जिस तरह लाठियों और आंसू गैस के जरिये छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, कांग्रेस उसकी निंदा करती है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि देश के प्रधानमंत्री ने मणिपुर को अपनी पीठ दिखा दी है। गोगोई ने सवाल किया, ''मणिपुर में करीब पांच महीने पहले हिंसा शुरू हुई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आज तक वहां नहीं गए। क्या देश ने नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री प्रचार और उद्घाटन के लिए बनाया है? हम जानना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बीते पांच महीनों में खुद कितनी बार मुख्यमंत्री बीरेन सिंह से बात की है?'' उन्होंने यह भी पूछा, ''प्रधानमंत्री मोदी को और कितने सबूत चाहिए? वह मणिपुर के मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देने का आदेश कब देंगे?'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''मणिपुर में भाजपा की सरकार महिलाओं और बच्चों को बचाने में नाकाम रही है। वहां न जवान सुरक्षित हैं और न पुलिसकर्मी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी खुद की छवि के मायाजाल में ऐसे फंस चुके हैं कि उन्हें देश की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं दे रही।'' गोगोई ने कहा, ''हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी सारी पार्टियों की बैठक बुलाएं और हम सभी मिलकर मणिपुर की समस्या का कोई समाधान निकालें।

बेटियों के साथ दुष्कर्म की गुनहगार मध्य प्रदेश सरकार भी है: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक लड़की के साथ बलात्कार की घटना को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य में बेटियों के साथ दुष्कर्म के लिए सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार भी गुनहगार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा और दावा किया कि महिलाओं के साथ दुष्कर्म के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में होते है। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में लगभग १२ वर्षीय एक लड़की सोमवार को सड़क पर खून से लथपथ हालत में पाई गई और चिकित्सा जांच में उसके साथ बलात्कार किए जाने की पुष्टि हुई है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी जी जगह–जगह घूमकर महिला आरक्षण का सपना दिखा रहे हैं, और वाहवाही बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। असलियत ये है कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश से १२ वर्षीय एक नाबालिग से हैवानियत की बेहद पीड़ादायक घटना सामने आई है।'' उन्होंने दावा किया, ''महिलाओं के साथ दुष्कर्म के सर्वाधिक मामले, भाजपा शासित मध्य प्रदेश में होते हैं, जहां हर दिन बलात्कार की आठ घटनाएं होती हैं। मोदी जी और उनके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी को चुनाव प्रचार से फुर्सत मिले तो वे शायद मध्य प्रदेश की महिलाओं की चीखें सुन पाएंगे।'' राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मध्य प्रदेश में १२ साल की एक बच्ची के साथ हुआ भयावह

अपराध, भारत माता के हृदय पर आघात है। महिलाओं के खिलाफ अपराध और नाबालिग बच्चियों के खिलाफ हुए दुष्कर्म की संख्या सबसे ज़्यादा मध्य प्रदेश में है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''इसके गुनहगार वे अपराधी तो हैं ही जिन्होंने ये गुनाह किये। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार भी है, जो बेटियों की रक्षा करने में अक्षम है।'' राहुल गांधी ने दावा किया, ''न न्याय है, न कानून व्यवस्था और न अधिकार – आज, मध्य प्रदेश की बेटियों की स्थिति से पूरा देश शर्मसार है। लेकिन, प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री में बिल्कुल शर्म नहीं बची है – चुनावी भाषण, खोखले वादों और झूठे नारों के बीच बेटियों की चीखें उन्होंने दबा दी हैं।

उत्तर प्रदेश की फूलपुर सीट से चुनाव लड़ सकती हैं प्रियंका गांधी, चर्चा तेज

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा २०२४ में आगामी लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की फूलपुर सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। फूलपुर गांधी परिवार का गढ़ है क्योंकि जवाहरलाल नेहरू ने यहां से १९५२, १९५७ और १९६२ में लगातार तीन चुनाव जीते थे। यह यूपी में गांधी परिवार का गढ़ कही जाने वाली तीन सीटों में से एक है, बाकी दो सीटें रायबरेली और अमेठी है। हालांकि, प्रियंका को किस संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारा जाएगा, इस पर अंतिम फैसला होना अभी बाकी है। सूत्रों का कहना है कि अगर पार्टी विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है तो कांग्रेस मध्य प्रदेश के जबलपुर से प्रियंका को टिकट भी दे सकती है। इससे पहले, गांधी परिवार के वाराणसी से चुनाव लड़ने की खबरें भी सामने आई थीं, जहां प्रधानमंत्री मोदी पिछले दो चुनावों से जीत रहे हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख अजय राय ने भी कहा कि उनके वाराणसी से चुनाव लड़ने की संभावना है।

अगर प्रियंका को लेकर सहमति बनती है तो कहीं ना कहीं फूलपुर या फिर जबलपुर से वह इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार हो सकती हैं। लेकिन अभी कांग्रेस पार्टी की ओर से इस बात का भी खुलासा नहीं किया गया है कि प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी या नहीं। हालांकि, प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा कई बार कह चुके हैं कि वह लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। फूलपुर से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भी चुनाव लड़ने की संभावना है। लगातार मीडिया में इसकी चर्चा भी हो रही है। अगर प्रियंका वहां से उतरती हैं तो कहीं ना कहीं नीतीश को लेकर जो चर्चा है वह कम हो जाएगी। फूलपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से लगातार पोस्टर्स लगाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है की उम्मीद की आंधी प्रियंका गांधी। इन पोस्टर्स ने सियासी गलियारे में एक अलग ही चर्चा तेज कर दी है। इसके साथ ही इस बात की भी चर्चा है कि अगर सोनिया गांधी रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ती हैं तो प्रियंका गांधी वहां से मैदान में उतर सकती हैं। फिलहाल प्रियंका गांधी को लेकर अलग–अलग चर्चाएं हैं। लेकिन आखिरी फैसला उनकी पार्टी को लेना है।

मथुरा ट्रेन हादसाः जांच में पता चला ट्रेनकर्मी था हल्का नशे मे, मोबाइल पर कुछ देख रहा था

मथुरा में मंगलवार को हुई ट्रेन घटना की संयुक्त जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि ट्रेन परिचालन के दौरान ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देख रहा था और वह हल्का नशे की हालत में भी था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंगलवार को एक अजीबोगरीब घटना में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एकट्रेन प्लेटफ र्म संख्या दो पर चढ़ गई। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में ट्रेन घटना के प्रथम ष्टया कारण का जिक्र करते हुए कहा गया है कि 'क्रू वायस एंड वीडियो रिकार्डिंग सिस्टम' के मुताबिक प्लेटफार्म पर ट्रेन के पहुंचने के बाद सचिन नामक ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखते हुए उसके डीटीसी कैब (इंजन) में दाखिल हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने लापरवाही से इंजन के थ्रोटल (एक खास उपकरण) पर अपना बैग रख दिया एवं फिर अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखने में व्यस्त हो गया। बैग के दबाव के चलते थ्रोटल आगे की स्थिति में चला गया, फलस्वरूप ईएमयू प्लेटफार्म की ओर आगे बढ़ गयी। रिपोर्ट में कहा गया है, '' उसने (ट्रेन ने) प्लेटफार्म के आखिरी छोर तो तोड़ दिया तथा कोच का आधा हिस्सा प्लेटफार्म नंबर दो के ऊपरी हिस्से पर चढ़ गया, फलस्वरूप ओएचई (ओवरहेड तार) भी प्रभावित हुआ।'' रिपोर्ट में यह भी गया है कि सचिन पर किये गये ब्रेथलाइजर टेस्ट से पता चला कि वह हल्का नशे की हालत में है। आगरा रेलवे डिवीजन के सूत्र ने कहा, '' उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है जहां यह पता करने के लिए उसका रक्त नमूना लिया जाएगा कि उसमें अल्कोहल सेवन का सटीक स्तर क्या है।'' संभागीय रेलवे प्रबंधक तेजप्रकाश अग्रवाल ने इस घटना के सिलसिले में सचिन समेत पांच व्यक्तियों को

निलंबित कर दिया है। उन चारों में हरभजन सिंह ब्रजेश कुमार और कुलजीत तकनीकी कर्मी हैं जबकि गोविंद हरि शर्मा लोको पायलट है। अग्रवाल ने कहा, '' हमने पांच व्यक्तियों को निलंबित कर दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।'' संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर तकनीशियन डीटीसी कैब (इंजन) की चाबी लेते हैं लेकिन इस मामले में तकनीशियन ने चाबी लेने के लिए सचिन को भेजा था। घटना का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मथुरा स्टेशन पर रात १० बजकर ४६ मिनट पर ट्रेन पहुंची। जब लोको पायलट अपनी ड्यूटी पूरी कर कैब से बाहर आया तब सचिन चाबियां लेने के लिए कैब में घुसा। कैब में उसके जाने के मिनट भर के अंदर ही वह चलने लगी और उसका आधा हिस्सा प्लेटफार्म पर चढ़ गया।

कानपुर देहात देहात में अवैध खनन में लगे डंपर ने किसान को कुचला।

कानपुर देहात। सुनवरषा गांव में खेत की रखवाली को गए किसान को मिट्टी खनन में लगे डंपर ने कुचल दिया। जिसके बाद खनन में लगे एक के बाद एक कई डंपर निकल गए। जिससे शव क्षत–विक्षत हो गया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। एएसपी व एसडीएम ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। करीब १३ घंटे बाद आठ लाख रुपये मुआवजा व दो बीघा भूमि पट्टा आवंटन के आश्वासन पर शव उठ सका। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शिवली कोतवाली क्षेत्र के सुनवरषा निवासी आकाश (२०) पुत्र छोटेलाल के गांव के बाहर खेत हैं। सोमवार की रात वह खेतों की रखवाली करने गया था। उसी दौरान कैरानी गांव से खनन कर आ रहे एक डंपर ने आकाश को कुचल दिया। लोगों ने बताया कि आकाश को कुचलने के एक के बाद कई डंपर चढ़ते हुए निकल गए। जिससे शव बुरी तरह से क्षत–विक्षत हो गया। आसपास के लोगों ने यह नजारा देख गांव में सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोग आक्रोशित हो गए और शव को

मैथा–कैरानी मार्ग पर मंगलवार की भोर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे एएसपी राजेश पांडेय, एसडीएम मैथा जितेंद्र कटियार, सीओ तनु उपाध्याय भारी पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास शुरू किया। लोगों का कहना था कि न्यू भाऊपुर जंक्शन के करीब रेलवे गतिमान योजना के तहत माल गोदाम बनवाया जा रहा है। जिसमें मिट्टी डालने के लिए रनियां के गोपी जादौन, मंसूर अहमद व सुनवरसा के राहुल चौहान, अमन को पट्टा दिया गया है। लेकिन निर्धारित जगह के बजाय ग्राम समाज की जमीन पर रात को अवैध खनन किया जा रहा था। जिसमे लगे डंपर से आकाश की मौत हुई है। इसलिए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और मुआवजा दिलाया जाए। घंटों चली कवायद के बाद पीड़ित परिजनों को आठ लाख रुपये मुआवजा व दो बीघा भूमि का पट्टा आवंटित करने पर सहमति बनी। जिसके बाद शव उठाया जा सका। शिवली कोतवाल एसएन सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने की रिपोर्ट दर्जकर शव पीएम को भेजा गया है।

हिन्दुओं के घरों पर बारावफात के हरे झंडे लगाने के विरोध पर उपद्रव, दो गिरफ्तार

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के विशेश्वरगंज थाने के गंगवल बाजार में बारावफात के उपलक्ष्य में कथित तौर पर हिन्दुओं के घरों एवं मंदिर पर हरे झंडे लगाने को लेकर दो समुदायों के बीच हुए विवाद हो गया, जिसके बाद पुलिस ने दो दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक घटना मंगलवार देर रात की है। बृहस्पतिवार को बारावफात का त्यौहार है और ग्रामीणों का आरोप है कि त्यौहार के ष्टिगत अल्पसंख्यक समुदाय के युवकों ने गांव में हरे रंग के झंडे लगाए। आरोप में कहा गया है कि इनमें से कुछ हिन्दू घरों और एक मंदिर पर पर झंडे लगाये गये और लोगों ने जब विरोध किया तो दूसरे समुदाय के युवकों ने इकट्ठा होकर उपद्रव करना शुरू कर दिया। इसमें कहा गया है कि उपद्रवियों ने गुड्डू जायसवाल नामक व्यक्ति के घर पर पथराव किया और विरोध करने वालों के साथ मारपीट एवं अभद्रता की। ग्रामीणों के अनुसार अनुराग जायसवाल नामक व्यक्ति पथराव से घायल हुआ है। इस संबंध में थाना विशेश्वरगंज के उप निरीक्षक विकास वर्मा ने बुधवार को बताया, आगामी बारावफात त्यौहार के लिए १८ से ३५ वर्ष उम्र के कुछ युवक बाजार में झंडे लगा रहे थे। उन्होंने बताया, ''ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं कि झंडा मंदिर पर लगाया गया, जबकि मैं स्वयं घटनास्थल पर पहुंचा तो देखा कि उक्त झंडा सार्वजनिक खंभे पर लगा था। दूसरा झंडा एक गुप्ता जी के मकान पर उनकी सहमति से लगा था जिसे विवाद होने पर हटा लिया गया। उप निरीक्षक ने बताया कि गंगवल बाजार निवासी गुड्डू जायसवाल की तहरीर पर १४ नामजद एवं १० अज्ञात लोगों के खिलाफ विशेश्वरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर बड़कऊ और शाहरुख नाम के दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार ग्रामीणों ने आरोप लगाए हैं कि झंडे लगाने का विरोध करने पर दूसरे पक्ष ने उपद्रव करते हुए विरोध करने वाले समुदाय के एक व्यक्ति के घर पर ईंटे पत्थर फेंके, अभद्रता करते हुए उनसे मारपीट की। उप निरीक्षक विकास वर्मा ने बताया हालात पूरी तरह से नियंत्रण में तथा सामान्य हो चुके हैं। ऐहतियातन विशेश्वरगंज थाने की पुलिस गांव में गश्त कर रही है।

पाकिस्तान के लिए करता था भारतीय सेना की जासूसी, यूपी एटीएस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्धानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने मंगलवार को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने के आरोप में कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के जिनौल

के निवासी शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलेन्द्र सिंह चौहान को गिरफ्तार किया है। शैलेश के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करके उसे अदालत में पेश किया गया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। बयान में दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश एटीएस की टीम ने भौतिक एवं इलेक्ट्र निक सर्विलांस से जांच की तो पता चला कि शैलेश कुमार ने व्हाट्सऐप और फेसबुक के जरिये पाकिस्धानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को सेना से जुड़ी जानकारी साझा की है।

२० हजार आउटसोर्स कर्मचारियों को सरकार से उम्मीद, मानदेय नहीं बढ़ा तो कर सकते हैं सरकार का विरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संविदा कर्मचारी संघ ने पत्र भेजकर चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में काम कर रहे आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय बढ़ाने की मांग की है। संविदा कर्मचारी संघ की तरफ से यह भी कहा गया है कि मानदेय बढ़ाने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। कम वेतन में अब गुजारा नहीं हो रहा है। उनकी मांगे नहीं मानी जा रही हैं। तो आने वाले चुनाव में आउटसोर्सिंग कर्मी और उनके परिवार मौजूदा सरकार का विरोध कर सकते हैं। दरअसल, संविदा कर्मचारी संघ की तरफ से बताया गया है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत संचालित चिकित्सा संस्थानों और मेडिकल कलेजों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों के मानदेय निर्धारण के लिए कमेटी गठित हुई थी। कमेटी ने अपना प्रस्ताव दो माह पूर्व ही शासन को भेज दिया था। उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश के उच्च चिकित्सा संस्थान

केजीएमयू, डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, एसजी पीजीआई तथा कैंसर संस्थान में कुल लगभग १२००० तथा प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर कुल २० हजार से अधिक कर्मचारी सभी संवर्ग के कार्यरत है। जिनका पिछले ८ वर्ष से वेतन नहीं बढ़ा है। इससे कर्मचारियों में हीन भावना उत्पन्न हो रही है और वेतन बढ़ोत्तरी का आदेश शासन द्वारा जारी न होने से कर्मचारियों में आक्रोश विद्यमान है। बताया जा रहा है कि सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थान के कर्मचारियों की निगाह आने वाली लोकसभा चुनाव पर है सब उम्मीद लगाए है कि चुनाव से पहले सरकार वेतन बढ़ाएगी। ऐसे में अगर वेतन बढ़ोत्तरी नही हुई तो आक्रोशित कर्मचारी एवं उनका परिवार विरोध कर सकते है क्योंकि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में अन्य विभागों से भी कम वेतन दिया जा रहा है जबकि यह कर्मचारी पूरे प्रदेश को चिकित्सा जैसी महत्वपूर्ण सेवा उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पुलिस का वसूली का खेल लकड़ी से लदे ट्रैक्टर को रोका

उन्नाव। उन्नाव का पुलिस महकमा कुछ पुलिसकर्मियों की गलत कार्यशैली के चलते चर्चा में रहता है। आसीवन थाने में तैनात एक पुलिसकर्मी ने ट्रैक्टर ट्रॉली पर लदी लकड़ी वाले से वसूली की है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है सपा नेता आईपी सिंह ने ट्वीट कर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। वायरल वीडियो की पुष्टि अद्भुत समाचार नहीं करता है। ट्विटर पर सपा नेता आईपी सिंह ने एक वीडियो पोस्ट किया है। पोस्ट किए गए २५ सेकंड के वीडियो में एक युवक से रात में ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी पैसे लेते दिखाई दे रहा है वीडियो में लेनदेन की भी बात हो रही है। सपा नेता ने लिखा कि 'पुलिस वसूली के साक्ष्य समय समय पर आते रहते हैं। उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र में कुरसठ चौकी में तैनात सतीश सिंह तोमर पुलिस ही नहीं सभी विभागों में जबरदस्त भ्रष्टाचार है।' ट्वीट होने के बाद पुलिस महकमें हड़कंप मच गया। एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा ने आसीवन थाना प्रभारी संदीप मिश्रा से प्रकरण में जानकारी हासिल की है। वहीं क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ विजय

आनंद को मामले की जांच सौंपी है। बता दें कि वीडियो वायरल होने के बाद उसकी जांच पड़ताल की गई तो प्रकाश में आया है कि यह वीडियो १५ से २० दिन पुराना है और रात ड्यूटी में साथ में लगे पुलिसकर्मी के द्वारा ही बनाने की बात सामने आई है। फिलहाल सीओ कई बिन्दुओ पर जांच कर रहे हैं जांच रिपोर्ट आने के बाद और भी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

गैंगस्टर काजल किन्नर की २ करोड़ की संपत्ति जब्त

सीतापुर। सिधौली कोतवाली इलाके में पुलिस ने मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद एक गैंगस्टर किन्नर की करीब २ करोड़ रुपयों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की। पुलिस ने गैंगस्टर का एक आवासीय मकान सहित दो आवासीय प्लट और वाहनों को मुनादी कराकर जब्त किया। एसडीएम सिधौली के नेतृत्व में सिधौली कोतवाली पुलिस ने डुग्गी पीटकर संपत्ति को जब्त करते हुए जब्त भवनों और वाहनों पर नोटिस चस्पा की है। बताते चले कि सिधौली कोतवाली इलाके के मोहल्ला गांधीनगर निवासी काजल किन्नर गुरु सफेदा गुरू बदाला को पुलिस ने गिरोह बनाकर गरीब बच्चों को बहला–फुसलाकर उनका नपुंसक बनाकर उनसे भिक्षावृत्ति कराकर अवैध वसूली कराने के

आरोप में वर्ष २०२२ में जेल भेजा था। पुलिस ने काजल किन्नर पर यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए अपराध से अर्जित संपत्ति का चिन्हीकरण कर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में भेजा था। जिला मजिस्ट्रेट ने सुनवाई के बाद गैंगस्टर काजल की अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने के निर्देश दिए। सीओ सिधौली शोभित कुमार ने बताया कि पुलिस ने गैंगस्टर काजल की एक आवासीय मकान, दो प्लट, दो चार पहिया वाहन, दो बाइक सहित अन्य सामान को जब्त करते हुए सील करने की कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि इसके साथ ही काजल किन्नर के बैंक खातों में करीब ४ लाख से अधिक रुपयों को सीज करते हुए कुल २ करोड़ की अवैध संपत्ति को जब्त किया गया है।

नदी किनारे मिला १० दिन से लापता युवक का नर कंकाल, पुलिस कर रही जांच

बाराबंकी। कल्याणी नदी के किनारे से १० दिन पहले संदीप परिस्थितियों में लापता हुए युवक का कंकाल झाड़ी नुमा बाग में पाया गया है। परिजनों ने कपड़ो से मृतक की पहचान की। १५ सितंबर की सुबह थाना व कस्बा सफदरगंज निवासी हरिश्चंद्र गुप्ता का २८ वर्षीय पुत्र शिवप्रसाद गाँव के निकट से बह रही कल्याणी नदी के किनारे शौच के लिए गया था। जहां से वह लापता हो गया। काफी खोजों के बाद भी जब वह नहीं मिला तो परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की माँ मीना देवी की की तहरीर के आध ार पर पुलिस ने तलाश शुरू की लेकिन उसका कोई भी पता नहीं चला। नदी के किनारे युवक के चप्पल अनुमान लगाया गया कि युवक नदी में डूब गया होगा। गोताखोरों की मदद से नदी में युवक की तलाश भी की गई। लेकिन आसपास की झाड़ियां में देखना भी गंवारा नहीं किया गया। भारी वर्षा और कल्याणी नदी की बाढ़ के कारण युवक का पता नहीं चला। बुधवार की सुबह लोग जब कुड़ी गाँव से थोड़ी दूरी पर स्थित परशुराम की झाड़ीनुमा बाग की ओर शौच के लिए गये तो झाड़ियों मे फंसे नरकंकाल को देख लोगो ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची युवक की माता ने कपड़ो से अपने बेटे की शिनाख्त की। युवक के नरकंकाल मे शरीर से हाथ पैर व सिर अलग अलग हो गये थे। मात्र हड्डियों से देखकर ही पहचान लगाया जा सकता था कि यह हाथ है या पैर। पुलिस का कहना है कि नदी के तेज बहाव में शव झाड़ियों मे फंस गया होगा जिसे जंगली जानवरों ने नोच डाला है।

छुट्टी के बाद छात्रा को स्कूल में बंद करने की लापरवाही में प्रधानाध्यापक निलंबित

बाराबंकी। तीन दिन पहले स्कूल में छुट्टी होने के बाद कमरे में ७ वर्षीय छात्रा को बंद कर घर जाने के मामले में शिक्षकों की घोर लापरवाही पाई गई। जांच में इस बात की पुष्टि होने के बाद बीएसए ने गुरुवार को प्रधानाध्यापक को निलंबित करते हुए सहायक अध्यापक व शिक्षामित्र का वेतन रोक दिया है। घटना दरियाबाद के प्राथमिक विद्यालय ततासीपुर की है। यहां पर विशेष कुमार शुक्ला इंचार्ज प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक के रूप में मंसूरी कटिहार की तैनाती है। इसके अलावा दो शिक्षामित्र वंदना शुक्ला व रेखा यादव हैं। रेखा यादव मातृत्व अवकाश पर चल रही है। ३ दिन पहले मंगलवार को स्कूल में छुट्टी होने के बाद कक्षा २ में पढ़ने वाली ७ वर्षीय आयुषी को शिक्षक कमरे में बंद कर चले गए। छात्रा के रोने की आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने स्कूल का ताला तोड़कर छात्र को बाहर निकाला। इसके चलते बड़ी घटना होने से टल गई। इस दौरान इंचार्ज प्रधानाध्यापक को कई बार फोन किया गया मगर उनका फोन नहीं मिला। मामला सुर्खियों में आने के बाद बीएसए संतोष कुमार देव पांडे ने मामले की जांच भी खंड शिक्षा अधिकारी दरियाबाद को दी। खंड शिक्षा अधिकारी की जांच में शिक्षकों की घोर लापरवाही पाई गई की। गुरुवार को बीईओ की जांच रिपोर्ट मिलते ही बीएसए संतोष कुमार देव पांडे ने प्राथमिक विद्यालय काशीपुर के इंचार्ज प्रध ानाध्यापक विशेष कुमार शुक्ला को निलंबित करते हुए कंपोजिट विद्यालय कोटवा धाम से संबद्ध कर दिया है। वहीं सहायक अध्यापक मंसूरी कटियार और शिक्षामित्र वंदना शुक्ला का वेतन रोकने का आदेश जारी कर दिया।

रियल एस्टेट कंपनी के सीएमडी समेत १५ लोगों पर दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। हजरतगंज कोतवाली में रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ी इंफिनिटी वर्ल्ड इंफ्रावेंचर लिमिटेड के सीएमडी समेत १५ लोगों पर धोखाधड़ी किए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। जालसाजों ने स्कीम के तहत कम दर में जमीन दिलाने का झांसा देते हुए एक युवक से ६३ लाख रुपये हड़प लिए हैं। डीजीपी मुख्यालय के निर्देश पर मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। हजरतगंज प्रभारी निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि मूलरूप से जौनपुर जनपद के वाजिदपुर निवासी सूर्यकांत गुप्ता के मामा अशोक कुमार और विनोद कुमार गुप्ता ने हजरतगंज स्थित इंफिनिटी वर्ल्ड इंफ्रावेंचर लिमिटेड में संपर्क किया था। इस दौरान उनकी मुलाकात कंपनी के सीएमडी अभय कुशवाहा और अन्य से हुई थी। आरोप है कि जालसाजों ने गोसाईंगज कस्बे में कम दर में जमीन दिलवाने का आश्वासन दिया। बहकावे में आकर पीड़ित ने दो प्लॉट और अमेठी के पास एक फार्म हाउस बुक कराया था। अक्षय तृतीया स्कीम में ३६ माह में दोगुना करने की स्कीम में निवेश किया था। इस तरह से पीड़ित ने स्कीम के तहत कुल ६३ लाख रुपए निवेश किए। वर्ष २०१६ में पीड़ित कंपनी के दफ्तर पहुंचा वहां ताला जड़ा मिला। इसके बाद पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में लिखित शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उसके बाद पीड़ित ने डीजीपी मुख्यालय में शिकायती पत्र दिया। वहां से मिले निर्देश के बाद हजरतगंज पुलिस ने कंपनी के सीएमडी अभय कुशवाहा, डायरेक्टर नीलम वर्मा, निखिल कुशवाहा, राजेश पांडेय, आजम सिद्दीकी उर्फ आजम अली, कैशियर रितिका वर्मा उर्फ शिखा, अहसन अहमद, आदित्य कुशवाहा, रागिनी गुप्ता, मोनिका यादव, देवेश यादव, राम जनक मौर्य, आदित्य सिंह, धीरेंद्र गुप्ता और वीरेंद्र गोस्वामी के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक साजिश की धाराओं में एफआईआर दर्ज की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त की भेदभाव की भावना: योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया के अंदर विकास की भावना क्या होनी चाहिए, यह भारत ने ही दिया है। विगत नौ वर्षों से देश और दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इसी भावना का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की ५४वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की ९वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी के क्रम में प्रथम दिन बुधवार को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की आधारशिला' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक संकल्प दिया। उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक एक भावना से सभी को संबल प्रदान किया। देश के १२० जनपद नक्सल प्रभावित थे, पूर्वोत्तर अराजकता से भरा था। पर, पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में भेदभाव की भावना को समाप्त कर, विकास की योजनाओं से जोड़कर इन सभी क्षेत्रों को विकास की धारा में ला दिया। कश्मीर हो या कन्याकुमारी, अरूणांचल हो या द्वारिकापुरी, सभी देशवासियों को सीधे विकास की परियोजनाओं से जोड़कर एक दूसरे राज्यों से परस्पर संबंध बनाकर, भारत को समानभाव से समझने का अवसर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किला से पंच प्रण का संकल्प लेकर देशवासियों को यह भाव दिया कि हमें एक विकसित भारत का निर्माण करना है। जो गुलामी के प्रतीक हैं, उनसे मुक्ति पाकर स्वदेशी पर गर्व करते हुए आत्मनिर्भर बनाना होगा। एक तरफ गुलामी के अंश पर विराम लगाना है तो दूसरी तरफ अपनी विरासत पर गौरव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भारत देश ऐसा है जहा जन्म लेना दुर्लभ है, उसमें भी मनुष्य के रूप में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। हमें अपने तीर्थ, धर्म ग्रंथ और संस्ृति पर गर्व

करने के साथ हर नागरिक से समान व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति सभी को जागरूक रहना होगा। पीएम मोदी के पंच प्रण ने देश में एक भाव पैदा किया है जिससे हम सभी का दायित्व राष्ट्र प्रथम का ही गया है। सीएम योगी ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने अपना पूरा जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। इन महापुरुषों के आदर्शों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण को अपने दायित्व से जोड़कर हम सभी एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सिद्ध करेंगे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गोरक्षपीठ में आकर अनुभव हो रहा है कि यहां एक भारत श्रेष्ठ भारत ही नहीं बल्कि एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत का भाव है। हमारे देश में जय जवान, जय किसान के उदघोष में प्रधानमंत्री जी ने जय विज्ञान जोड़ा है। आने वाले समय में उसमें जय ज्ञान जोड़ा जाएगा क्योंकि देश पूरे विश्व को अपने ज्ञान से आलोकित कर रहा है। नौ राज्यों में अपने कार्य के अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में एक भारत श्रेष्ठ भारत का भाव देखा है। चंद्रयान–३ की सफलता ने भारत की श्रेष्ठता मानने को पूरे विश्व को विवश कर दिया है। जी–२० में पूरा विश्व भारत की सांस्ेतिक विरासत और क्षमता का दर्शन किया है। ५०० वर्ष पहले गोस्वामी तुलसीदास जी ने विकसित भारत के स्वरूप को अपने कुछ चौपाइयों में परिभाषित किया है। भारत के प्रधानमंत्री ने संकल्प से सिद्ध का नारा देकर देशवासियों को अपने देश को श्रेष्ठ बनाने के लिए संकल्पित कराया है। हमारे प्रगतिशील देश में विकसित होने का भाव ही आज नए भारत की संकल्पना को पूरा कर रहा है। विशिष्ट वक्ता उच्च शिक्षा आयोग प्रयागराज के अध्यक्ष प्रो ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि यह सभागार चेतना का सभागार है। यहां जो ध्ूनी जलती है वह निरंतर राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत करती है। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी चेतना को विश्व पटल पर ला रहे हैं। यह भारत भूमि ऐसी भूमि है जहां देवता भी आने के लिए लालायित रहते हैं। आज एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना कैसे सिद्ध होगी इस पर पीएम मोदी ने विचार किया और देश के करोड़ों जनमानस को इसके लिए आह्वान किया। बात जम्मू कश्मीर की हो, तमिलनाडु की हो, मेघालय की हो या पांडिचेरी की हो। सबको आवश्यकता के अनुसार बजट दिया और विकास के लिए उचित निर्देशन भी किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज अपने पूरे जीवन में भारत को श्रेष्ठ बनाने की संकल्पना के साथ संघर्ष करते रहे। उन्हीं के पदचिन्हों पर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज जी भी समाज का नेतृत्व करते रहे। अशर्फी भवन अयोध्या से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज ने कहा कि भारत केवल भूमि नहीं है अपितु भारत माता हमारी दैवीय शक्ति है। यहां रहने वाले विविधिता में भी एकता की भावना रखते हैं। हमें भारत के गौरव के लिए व भारत की एकता के लिए सदैव मिलकर काम करना चाहिए। यह समन्वय यदि पूरे भारत में हो जाय तो यह देश निश्चित ही श्रेष्ठ बनकर रहेगा। आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह प्रदेश का समन्वय के साथ विकास कर रहे हैं, उससे पूरा देश आज प्रभावित है। बड़ोदरा से पधारे महंत गंगादास जी महाराज ने कहा कि आजाद भारत में हमारे राजनेता समाज को जातियों और संप्रदायों में बांटकर देश को कमजोर करते रहे। पिछले कुछ वर्षों में देश के प्रधानमंत्री के प्रयास से देश में एकता की भावना लाकर देश को श्रेष्ठता प्रदान किया जा रहा है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो उदय प्रताप सिंह ने स्वागत एवं प्रस्ताविकी में कहा कि हमारा राष्ट्र पांच तत्वों से बना हुआ है। जिसमें सामाजिक समरसता व विश्व बंधुत्व की भावना है जो भारत को श्रेष्ठ बनाती है। भारत में विभिन्नता है फिर भी भारत एक है, इसीलिए भारत श्रेष्ठ है और भारत विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। संगोष्ठी में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के हिंदी के प्रवक्ता तथा योगवाणी के संपादक डॉ फूलचंद प्रसाद गुप्त की पुस्तक 'भोजपुरी सतसइ' का विमोचन अतिथिगण द्वारा किया गया। वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ आदित्य पांडेय व गौरव तिवारी, दिग्विजयस्त्रोत पाठ डॉ अभिषेक पांडेय, महंत अवेद्यनाथस्त्रोत पाठ डॉ प्रांगेश कुमार मिश्रा तथा संचालन माधवेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर महंत सुरेश दास जी महाराज, ब्रह्मचारीदास लाल जी, महंत शिवनाथ जी ,महंत राम मिलन दास जी, महंत धर्मदास जी, महंत संतोष दास जी ,महंत मिथलेशनाथ जी, महंत रवींद्रदास जी, योगी रामनाथ जी, भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद डॉ रमापति राम त्रिपाठी,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह, सांसद विजय दुबे, विधायक विपिन सिंह, कामेश्वर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद २३ जनवरी को राम मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सकता है: नृपेंद्र मिश्रा ने दिए संकेत

लखनऊ। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने संकेत दिए हैं कि राम मंदिर के पहले चरण का निर्माण कार्य पूरा होने और अगले साल २२ जनवरी को वहां श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसे २३ तारीख से श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सकता है। पीटीआई–वीडियो को दिए एक विशेष साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव रहे मिश्रा ने यह भी कहा कि श्रीराम की मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा अगले वर्ष २२ जनवरी को होगी और २० से २४ जनवरी के बीच किसी भी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे जुड़े अनुष्ठान में सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा, ''प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की देखरेख में एक समिति बनाई गई है। वह विस्तार से इस विषय पर काम कर रही है। २२ तारीख को तो प्राण प्रतिष्ठा होगी और ट्रस्ट ने एक निवेदन किया है सभी से, पूरे देश से, हर गांव–गांव से कि वे यथासंभव अपने गांव में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा को मनाएं।'' मिश्रा ने कहा कि ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से यह निवेदन किया है कि वे २२ तारीख को अयोध्या आने का प्रयास ना करें। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को निश्चित रूप से दूरदर्शन के माध्यम से दिखाया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना को देखते हुए मिश्रा ने इस संभावित भीड़ को नियंत्रित करने को भी चुनौती करार दिया। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है कि उनकी ओर से एक संकेत दिया जाएगा कि विभिन्न प्रदेशों के लोग निश्चित तिथियों को ही आएं। उन्होंने कहा, ''और एक यह भी योजना है, हालांकि वह पूरी तरह से क्रियान्वित तो नहीं हो सकती... २३ तारीख से प्रदेशों के कार्यक्रम बना दिए जाएं। जो श्रद्धालु एक प्रदेश से आ रहे हैं, उनके लिए एक कार्यक्रम हो

और वह रेल की समय सारणी से भी मैच होना चाहिए। सड़क मार्ग से आने वाले लोगों का भी कार्यक्रम तय होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि ट्रस्ट यह कोशिश भी कर रहा है कि विभिन्न भाषाओं के जानकार स्वयंसेवक के रूप में उपलब्ध रहें जो श्रद्धलुओं की में उनकी यात्रा को यादगार बनाने में मदद दें। मिश्रा ने कहा कि यह भी प्रयास किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर खाने की व्यवस्था भी हो। उन्होंने कहा, ''यह भी संभव है २५ से ५० हजार लोगों के लिए बिना किसी भुगतान के खाने की व्यवस्था की जाए। इन सब पर ट्रस्ट की समिति विचार कर रही है।'' उन्होंने अनुमान जताया कि मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाने के बाद रोजाना लगभग सवा लाख से डेढ़ लाख लोग आएंगे औरदर्शन करेंगे। उन्होंने इस भीड़ को नियंत्रित करने को चुनौती बताते हुए कहा कि जब श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचने लगेंगे तो भू–तल का निर्माण पूरा हो चुका होगा लेकिन प्रथम तल और दूसरे तल पर निर्माण कार्य भी चल रहा होगा। उन्होंने कहा, ''तो हमें यह भी ख्याल रखना है कि जो श्रद्धालु आए उनकी सुरक्षा भी हो क्योंकि दोनों तलों पर निर्माण कार्य चल रहा होगा। वहां पर भी प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने होंगे।'' उन्होंने कहा कि चूंकि 'उल्टी गिनती शुरु हो गई है' तो श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं की व्यवस्था पर भी विस्तार से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''मंदिर परिसर तक पहुंचने का क्या रूट होगा? किस तरह लोग मंदिर में आएंगे? कितनी कतारों में आएंगे? एक व्यक्ति को दर्शन करने के लिए कितना समय मिले?...इन सब पर काम जारी है।''उन्होंने कहा कि जिला और पुलिस प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार, ट्रस्ट के लोग और बहुत भारी संख्या में स्वयंसेवक आएंगे जो इस कार्यक्रम की देखरेख करेंगे। मिश्रा ने बताया कि मंदिर लगभग ढाई एकड़ में है और परिक्रमा पथ को मिलाकर कुल परिसर आठ एकड़ होता है।

हेराफेरी कर सत्ता में बना रहना चाहती है भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव में हेराफेरी कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखना चाहती है। अखिलेश यादव ने यहां पार्टी दफ्तर में आये कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है। भाजपा का एजेण्डा सिर्फ सत्ता का दुरुपयोग करना है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने षडयंत्र कर समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट कटवाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा किसान विरोधी है। तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में आठ सौ किसान शहीद हो गए। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, चरम पर है। महंगाई, बेरोजगारी, कम करने और गरीबी हटाने के लिए भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं

किया। किसानों के गेहूं की लूट हो गयी। किसानों को गेहूं का लागत मूल्य भी नहीं मिला। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की शह पर दो कम्पनियों ने रिफाइंड अ यल के ६० प्रतिशत बाजार पर कब्जा कर लिया है। बाजार पर नियंत्रण करने की सुनियोजित साजिशें चल रही है। गिनी चुनी कम्पनियां किसानों के धान–गेहूं की खरीद कर ले रही हैं। किसान को अपनी फसल में न एमएसपी मिली और नहीं बाढ़–सूखा से प्रभावित फसल पर मुआवजा मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में अराजकता का बोलबाला है। कानून व्यवस्था ध वस्त है। शिक्षा स्वास्थ्य सेवाएं चौपट हैं। भाजपा सरकार में न्याय की कोई उम्मीद नहीं है। जनता बिजली–पानी के लिए परेशान है। भाजपा ने एक यूनिट बिजली नहीं बनायी। जो भी बिजली का उत्पादन हो रहा है, वह समाजवादी सरकार की देन है।

एलडीए के संविदाकर्मी ने की आत्महत्या

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के संविदाकर्मी संतोष जायसवाल ने मंगलवार को फांसी लगाकर खुदखुशी कर ली। मृतक संतोष जायसवाल की पत्नी ने

एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पत्नी मालती जायसवाल ने कहा कि उनके पति संतोष मानसिक तनाव में रहते थे। उनके पति को एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इस बात का जिक्र उनके पति ने कई बार किया है। मृतक संतोष की पत्नी ने आगे बताया कि इससे पहले भी एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने उनके पति की काफी बेईज्जती की थी। जिससे आहात होकर संतोष जायसवाल ने यह कदम उठाया है। एलडीए वीसी के सख्त रवैये की वजह से उनका परिवार बर्बाद हो गया। बता दें कि मृतक के परिवार में उसकी पत्नी के अलावा दो बच्चे और मां हैं। वहीं एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी की ओर से बताया गया कि वह कभी संतोष जायसवाल से मिले ही नहीं। उन्होंने बताया कि कर्मचारी संतोष का कुछ दिन पहले वकीलों से एक विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि संतोष जायसवाल ने किसी से पैसे लिए थे। इसके बाद वकीलों का एक समूह उनके ऊपर दबाव बना रहा था। जिसके सम्बन्ध में रिपोर्ट तलब की गई है।

दलित महिला के साथ दुष्कर्म का दरोगा पर लगा आरोप

लखनऊ। जिले के गंगापार सराय ममरेज थाने के जंघई चौकी प्रभारी पर एक दलित महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इसके बाद आरोपी दरोगा को निलंबित कर उसके खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हंडिया सुधीर कुमार ने पीटीआई को बताया कि पीड़ित महिला का आरोप है कि जंघई चौकी प्रभारी सुधीर कुमार पांडेय ने २१ सितंबर को उनके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि महिला की तहरीर पर थाना सराय ममरेज में आरोपी दरोगा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और एससी–एसटी कानून की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पीड़ित महिला ने सराय ममरेज थाने में दी तहरीर में बताया कि उसे फोन कर कुछ लड़के परेशान करते थे और जान से मारने की धमकी देते थे और वह इस बात की शिकायत के लिए जंघई चौकी प्रभारी के पास प्रार्थना पत्र लेकर गई थी। तहरीर के मुताबिक, २१ सितंबर को आरोपी दरोगा ने शाम को महिला को चौकी पर बुलाया और फोन करने वाले लड़कों की गिरफ्तारी करने की बात कहकर महिला को एक कार में अपने साथ ले गया और रास्ते में उसने महिला को नशीला पदार्थ मिला कोल्ड ड्रिंक पिलाया और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि महिला के गंभीर आरोप को देखते हुए पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने आरोपी दरोगा को निलंबित कर इस मामले की जांच एसीपी हंडिया सुधीर कुमार को सौंपी है।

मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म 'आंख मिचौली' का ट्रेलर रिलीज, झूठ बोलकर बेटी की शादी करवाएंगे परेश रावल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मृणाल ठाकुर ने अपने

ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आंख मिचौली' के ट्रेलर को शेयर किया है। फिल्म श्आंख मिचौलीश में मृणाल ठाकुर ने पारो का किरदार निभाया है, जिसे शाम होने के बाद दिखाई देना बंद हो जाता है। इसके अलावा परेश रावल, अभिषेक बनर्जी, दिव्या दत्ता, शरमन जोशी और अभिमन्यु दसानी जैसे कलाकार भी इस ट्रेलर में अपनी–अपनी भूमिकाओं के साथ दर्शकों का ध्यान खींचते हुए नजर आ रहे हैं। उमेश शुक्ला ने फिल्म 'आंख मिचौली' का निर्देशन किया है। जीतेंद्र परमार द्वारा लिखित और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, उमेश शुक्ला और आशीष वाघ के मैरी गो राउंड स्टूडियो द्वारा निर्मित, आंख मिचोली २७ अक्टूबर को रिलीज होगी।

सुल्तान ऑफ दिल्ली में काम कर बेहद खुश है मौनी रॉय

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय फिल्म सुल्तान ऑफ दिल्ली में काम कर बेहद खुश है। सुल्तान ऑफ दिल्लीरू असेंशन बाय अर्णब रे किताब पर आधारित है। इस सीरीज के प्रोड्यूसर रिलायंस एंटरटेनमेन्ट और इसका निर्देशन मिलन लुथरिया ने किया है। सुपर्ण वर्मा ने इसे सह–निर्देशित किया है और इसके सह–लेखक भी हैं।मौनी रॉय ने 'सुल्तान अ फ दिल्ली' में नयनतारा की भूमिका निभायी है। सुल्तान ऑफ दिल्ली में अपने किरदार के बारे में मौनी रॉय ने कहा, नयनतारा आजाद और निडर है। उसके विचार स्पष्ट हैं और वह जानती है कि उसे क्या चाहिये। वह एक बंगाली शेरनी जैसी है। जब मैं पहली बार मिलन सर से मिली और उन्होंने इस किरदार के बारे में मुझे बताया, तब मैं अपने मन

में उम्मीद कर रही थी कि वह मुझे लेंगे। वह जिस तरह से सोचती है, महसूस करती है और अपने रास्ते में आगे बढ़ती है, इससे मैं सचमुच प्रभावित हुई। यदि आप किताब को पढ़ेंगे, तो उसकी दुनिया में होने का अनुभव करेंगे और मैं यही चाहती थी, इसलिये अपनी भूमिका से बेहद खुश हूं। सुल्तान ऑफ दिल्ली में ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, विनय पाठक और निशांत दहिया, अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा की मुख्य भूमिका है।'सुल्तान अ फ दिल्ली'१३ अक्टूबर २०२३ को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स २०२३ के लिए न मिनेड हुए कई सितारे

मुंबई। इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स २०२३ ने अपने न मिनेशन की लिस्ट की अनाउंसमेंट कर दी है। अनाउंस की गई लिस्ट में २० देशों के ५६ न मिनेटेड लोग शामिल हैं, जिसमें भारत से शेफाली शाह, जिम सर्भ और वीर दास का नाम भी शामिल हैं। शेफाली शाह को दिल्ली क्राइम २ सीरीज में उनके काम के लिए बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में न मिनेट किया गया है। जिम सर्भ को र केट बॉयज २ सीरीज में डॉ जे होमी भाभा के रूप में उनकी अदाकारी के लिए एक अभिनेता द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए न मिनेट किया गया है। वीर दास को उनकी नेटफ्लिक्स क मेडी स्पेशल वीर दासरू लैंडिंग के लिए न मिनेट किया गया है। २० नवंबर २०२३ को इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स २०२३ का आयोजन न्यूयॉर्क में किया जाएगा, वहीं इन सभी सितारों के साथ–साथ फिल्म निर्माता एकता कपूर को भी सम्मानित किया जाएगा। एकता कपूर को ५२वें इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स २०२३ में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय एमी डायरेक्टरेट पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lt; ckt ib
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;jks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक